



किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो: 9891706853

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, पंजाब बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड असम से प्रसारित



वर्ष: 2 अंक: 12 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) रविवार 22 अक्टूबर 2023

<http://samajjagran.in>

पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

पाकिस्तान में जाए है भाइत के बाटेड आतंकियों की हत्या का सिलसिला, मसूद अजहर का कहीं भी देट, दशहत में हाफिज सईद!

माया गया पुलवामा हमले का गुनहगार!



नई दिल्ली, पाकिस्तान की सरजमी पर भारत के मोस्ट बैटेड आतंकियों की हत्याओं का सिलसिला बदलता जारी है। इस कड़ी में अब जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के कानी दाऊद मलिक की नाम भी जुड़ गया है। दाऊद मलिक की वाहा पाकिस्तान के उत्तरी वजीरीस्तान में कर दी गई है, अजहर लोगों ने उसे गोली मारकर मौत के घाट उत्तर दिया है। बताया जाता है कि दाऊद पुलवामा हमले में शामिल था। इन घटनाओं से मुंबई के 26/11 हमलों का मास्टर माइंड हाफिज सईद भी सदमे में है। भीते दिनों पीओक में सुरक्षा धरे में एक कार में बैठकर उसके बेटे को कहीं ले जाते हुए देखा गया था। इन हत्याओं पर ISI के कान भी खड़े हो गए हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि जब अवार्य सेना ने पुलवामा हमले का बदला लेने के लिए पाकिस्तान के बालाकोट पर एम् स्टाइर्स की थी, तब भारतीय जांच एजेंसियों के पास दाऊद खुफिया एजेंसी आईएसआई के संरक्षण में

मलिक के वहीं छिपे होने की सूचना थी। हालांकि इन हमलों में वो बच गया था। दाऊद को जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर का करीबी माना जाता है। इसके अलावा वो लश्कर-ए-जब्बर और लश्कर-आई-जांगी जैसे संगठनों के साथ भी जुड़ा हुआ था। वो पाकिस्तान की थी, तब भारतीय जांच एजेंसियों के पास दाऊद

हरदीप सिंह निजर की मौत के बाद दोनों देशों के बीच उपजे विवाद से हर कोई वाकिफ़ है। पिछले दिनों इस फेरिस्त में पाकिस्तान के दो आतंकी शाहिद लतीफ और मुल्ला बाहार उर्मज का नाम जुड़ गया था। लतीफ को पठानकोट हमले का मास्टर माइंड बताया जाता है। वहीं, हार्मजु के बारे में कहा जाता है कि वो आईएसआई का एजेंट था।

कंधार कांड के आतंकियों की हो चुकी है हत्या

साल 1999 में भारत के विमान को हाइजैक कर उसे अफानिसान के कंधार ले जाने वाले आतंकी हिजबुल मुजाहिदीन के बशीर मीर उर्फ इमियाज आलम और जैश-ए-मोहम्मद के जहूर मिस्री की भी कुछ मौजूदे पहले पाकिस्तान में सदिय परिस्थितियों में हत्या कर दी गई थी। खासबात यह है कि इनमें से किसी भी मामले में पाकिस्तान की जांच एजेंसियां अरोपियों का पता नहीं लगा सकी है।

रामलीलाओं से संस्कार, संस्कृति, धर्म को सजोया देता जा सकता है: गोपाल कृष्ण अवगाल

पूर्व राज्य मंत्री मदन चौहान एवं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अवगाल ने किया रामलीला का शुभारंभ नोएडा। शनिवार को सेक्टर 46 के रामलीला मैदान में श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी नोएडा के सातवे दिन की रामलीला का शुभारंभ पूजा पाठ के बाद पर्व राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश मदन चौहान एवं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अवगाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजेंद्र जैन, संदीप अवगाल, पूनम सिंह, संजय गोपल, विकास बंसल एवं समिति के अध्यक्ष विपिन अवगाल द्वारा दोनों मुख्य अतिथियों और विशिष्ट अतिथियों को पटका पहनकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर रामलीला देखने आए लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व राज्य मंत्री मदन चौहान ने रामलीला का शुभारंभ करते हुए कहा कि सन्मान हमारी संस्कृति का हिस्सा है।



उसे बहुत बड़ा नुकसान उठाना अवगाल और उनकी टीम को वे पड़ा है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल

सातवे दिन की रामलीला का वर्णन करते हुए कृष्ण स्वामी ने कहा की सुर्पणखा का दंडक वन में प्रवेश, नारद जी को सुर्पणखा का संवाद, नारद जी को सुर्पणखा को लक्षण जी द्वारा सुर्पणखा के नाक, कान, कटाना, खर दूषण का वध होना, रावण का मारिच को लेकर सीता का हरण करना। इसके पश्चात जटायु का वध करना, सीता की खोज में प्रभु राम का शबरी के आश्रम में आना, किंविता पर्वत पर हनुमान जी से मिलान होना आदि लीला का मंचन किया गया।

कृष्ण अवगाल ने कहा कि इस प्रकार के जगह-जगह रामलीला होने से हजारों साल का हमारा इतिहास, संस्कृति के धर्म को जागृत करने का मौका मिलता है।

उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण के भारत 100 साल होने जा रहे हैं। इन 100 सालों में भारत में संस्कृत, संस्कृत, धर्म को अध्यक्ष के रूप में सप्त महानगर अध्यक्ष दीपक विद्या, कन्नल यु शी शर्मा, नोएडा के अस्पताल, संस्कृति के लेकर सीता का हरण करना।

उन्होंने कहा कि सेक्टर 46 के रामलीला के अध्यक्ष विपिन

एवं अन्य धर्मों को छोड़ा है।

शिल्पा त्यागी, हर्षित, कार्तिक, प्रदीप, पीताम्बर, निशांत त्यागी (सभी दिल्ली निवासी) और जान से मारने की धमकी दी। बाद में उन्होंने छह करोड़ रुपये की फिराती मांगी।

अग्रवाल ने बताया कि विवरण के बारे में पूलिस तपायुक्त ने बताया कि फिराती वसूलने की मास्टरमाइंड इशांत त्यागी की पती ने बताया कि मुख्य अपराधी इशांत को कुछ दिन पहले उत्तराखण्ड में गिरफतार किया गया था और उनकी वित्तीय स्थिति के बारे में उसके पति को जानकारी थी। अग्रवाल ने बताया कि 14 अक्टूबर को इशांत ने कारोबार के बाहरे शर्मा को बुलाया और एक फ्लैट में बंधक बना लिया जा रहे थे।

गाजा अस्पताल विस्फोट के पीछे अमेरिका का हाथ ! रुद्धी सांसद का दावा, 500 से अधिक की हुई थी मौत

मॉस्को, रूस की संसद के एक सदस्य ने कहा कि गाजा सिटी अस्पताल में हुए घातक विस्फोट के पीछे संयुक्त राज्य अमेरिका का हाथ हो सकता है। इयूमा (रूसी संसद) सदस्य एंड्री गुरुल्योव ने क्रैफ्टेलन द्वारा संचालित टेलीविजन चैनल रूस-1 पर एक उपरिधित के द्वारा बिना कोई सबूत पेश किए यह अरोप लगाया। अल-अहली अब वैपरिटस्ट अस्पताल में हुए विस्फोट के लिए इजरायल और हमास ने एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ा है। एंड्री गुरुल्योव ने कहा, “यह बिल्कुल स्पष्ट है कि एक गाइडेड बॉम्ब वहां गिरा। इससे भी अधिक, यहां एक बारीक रहस्य है!” उन्होंने अमेरिकी नौसेना के युद्धप्रोतों का जिक्र करते हुए आगे कहा, “आज एक अमेरिकी विमान वाहक समूह ने इजरायल के टट पर संपर्क किया।” इन युद्धप्रोतों का इजरायल पर हमास के 7 अक्टूबर के हमले के बाद पूर्वी भूमध्य सामर में तैयार किया गया था।

एंड्री गुरुल्योव ने कहा, “गोली चलाने का आदेश इजरायल क्षेत्र पर एक स्थिर कमांड सेंटर से या विमान वाहक जहाज पर अधारित नियन्त्रण केंद्र से आ सकता है, तो शायद यह इजरायल नहीं बल्कि खुद अमेरिकी विमान वाहक समूहों द्वारा इजरायल के टट पर हमला के 7 अक्टूबर के हमले के बाद पूर्वी भूमध्य सामर में तैयार किया गया था।

बताएगा। मुझे लगता है कि किसी भी मामले में हमारे खुफिया विभाग के पास सारी जानकारी होने के बारे में कहा था। ल्यादिवास्तोक में इंस्टर्न इकोनोमिक फोरम में, व्हाइटमीर पुतिन ने तब कहा था कि यूके ने यूक्रेनी तोड़फोड़ करने वालों को निर्देश दिया था कि सुविधा को कैसे तुकसान पहुंचाया जाए।

गाजा के अस्पताल में हुए भीषण विस्फोट में सैकड़ों लोगों की मौत हुई। इस अस्पताल में पहले से घायल मरीजों की भरसर थी और अन्य फिलिस्तीनी नाचिकी की थी।

जिला सरकारी विवाह विवाह का हवाई हमला बताया, जबकि इजरायल की सेना ने आरोप लगाया कि फलस्तीनी आतंकियों द्वारा दागे गए रोकेट के निशाना चुकौने से यह विस्फोट हुआ। हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कम से कम 500 लोग मारे गए हैं।

केवल में बात की थी कि रूसी राष्ट्रपति ने तोड़फोड़ की साजिश के पीछे ब्रिटिश खुफिया जानकारी होने के बारे में कहा था। ल्यादिवास्तोक

में इंस्टर्न इकोनोमिक फोरम में, व्हाइटमीर पुतिन ने एक टेलीविजन शो पर चर्चा के दौरान कहा था कि ल्यादिवास्तोक ने यूक्रेन लोगों को उड़ाइटेड करने के बाद लोगों को बाहर निकाला।

किंगडम पर हमला करना चाहिए तोड़फोड़ करने उन्होंने उन दावों के काम से बाहर निकाला।

जिला सरकारी विवाह विवाह का हवाई हमला बताया, जबकि इजरायल की सेना ने आरोप लगाया कि फलस्तीनी आतंकियों द्वारा दागे गए रोकेट के निशाना चुकौने से यह विस्फोट हुआ।

यजनीति की ऐल, हालाँकि इष्टल इंजन फेल

दैनिक समाज जागरण

भारत की जनता को बधाई कि उसे बुलेट ट्रेन के बरतों में जो तेज रफ्तार रेल मिली है, उसमें बैठने से पहले हर रेल यात्री को कम से कम एक-दो बार तो 'नमो' रखा ही पड़ेगा। टिकिट खरीदते समय, टिकिट रद्द करते समय। घर वालों को भी बताते समय नमो-नमो करना जरूरी भी है और मजबूरी भी। जीते जी अमरत्व पाने की ये बीमारी कांग्रेस के नेताओं से होती हुई अब माननीय प्रधानमंत्री श्री नंदेंद्र मोदी तक आ पहुंची है। रेल मंत्री और रेल मंत्रालय ने नई तेज गति की रेल का नामकरण करते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी की बदना करने का अनुद्धु प्रयास किया है।



रोजाना एक बाई ढाई करोड़ यात्रियों को आवागमन की सुविधा देने वाली भारतीय रेल भले ही दुनिया की छोटी बड़ी रेल सेवा है लेकिन आज भी रफ्तार और जन सुविधाओं के मामले में दूसरे देशों से बहुत पीछे है। भारतीय रेल नेताओं की बदना में जरूर दुनिया में नंबर एक पक्का है और नयी रेल का नाम 'नमो' रखने के बाद तो भारतीय रेल चमत्कर में विश्व गुरु बन गयी है। भारतीय रेल ने एक ऐसे व्याक के नाम पर रेल चलाई है जिसका योगदान भारत के ही लालों की भाई और अटल बवाही से भी ज्यादा अचूक लिया गया है।

'नमो', का पूरा अर्थ है 'नंदेंद्र मोदी'। भारतीय राजनीति का ये वहला ऐसा नाम है जो एक साधारण पश्चिमान से राजनीति में आकर हर मामले में असाधारण हो जाना चाहता है। असाधारण होने की महत्वाकांक्षा बुरी बात नहीं है लेकिन जब इस महत्वाकांक्षा के पीछे वैषी ही कामना हो जैसी कांग्रेस में थी तो सबल खड़े किये जा सकते हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी ने खुद को अंजर-अमर बनाने के लिए रेल का 'नमो' रखने पर कोई आपत्ति नहीं है। कभी नहीं कहा कि- उनकी अपनी पार्टी में उनसे पहले एक से बढ़कर एक बड़े नेता हुए हैं जिनके नाम पर इस नई रेल का नाम रखा जा सकता है। नयी होने की बात आयी तो वे सभी को भूल गए। यहां तक की एकात्म मानवतावाद के जनक दीन दयाल उपाध्याय को और श्याम प्रसाद मुखर्जी को भी। अटल-आडवाणी को भुलाना तो उनकी विवशता थी ही।

नयी रेल के नामकरण को लेकर राजनीतिक अपत्तियां अपौंशी ये सबको पता था इसीलिए गोदी मीडिया के जरिये देश को ये बताया जा रहा है कि 'नमो' का अर्थ नंदेंद्र मोदी नहीं बल्कि कुछ और है। सफाई दी जा रही है कि 'नमो' शब्द सनातन धर्म से लिया गया है। हिंदू धर्म में नमो का मतलब भगवान से होता है। जब भगवान को नमस्कार किया जाता है तब हम नमो शब्द का उपयोग करते हैं। इसका उपयोग वास्तव में सनातन धर्म के मत्रों से सबैथित है। मेरे ख्याल से हमें अब 'नमो' नाम पर आपत्ति करने के बजाय नमो का धन्यवाद करना

@ राकेश अचल

सुख चैन छिने, दुग्रह बढ़ जाता है, अपना खास भी पराया बन जाता है, इसीलिए निंदा करने से तो अच्छा, औरों को उत्साहित करना होता है।

इन्दिहान की जगह किसी का सत्य समझना प्रेम और सद्गुरुव बढ़ता है, इसकी शुरूआत हमें ही तो है करना, हाथ पै हाथ धरे इंजराज नहीं करना।

निंदा कर अफवाहें फैलाना कुछ पल का झूठा मूरा संतोष भले ही देता है, झूठ मूरा का वो सुख, संतोष नहीं पर अपना आत्म संतोष भी हर लेता है।

निज प्रकृति नकारात्मक हो जाती है, जल जल कर, अपना खुन जलाती, आदित्य रोग असाध्य यह ऐसा होता कोई औषधि उपचार नहीं कर पाती।

ऐसे स्वभाव के मानव हर पल, दुर्भावना, कुभाव ग्रसित होते हैं, दुर्भावना स्वभाव जनित हो जाती जीवन शानि कुरित हो जिन जाती।

कर्नल आदि शंकर मिश्र, आदित्य लखनऊ

लोगों इतना कलुप कहाँ से आता, दिन रात ईर्ष्या से क्यों जलना, अपने कर्मों से सुख मिलता है, अपने कर्मों से दुख मिलता है।

औरों को खुश देख के घुटना, जीवन में खुशी कभी न देता है, तनमन तनाव ग्रस्त कर देता है।

औरों से ईर्ष्या में जलना, घुटना आत्महीनता का परिचायक है, स्पर्धावश औरों की निंदा करना, खुद हीन भावना का द्योतक है।

ऐसे स्वभाव के मानव हर पल, दुर्भावना, कुभाव ग्रसित होते हैं, दुर्भावना स्वभाव जनित हो जाती।

बैठकी "मजहब है सिद्धाता, आपस में बैट करना"

दैनिक समाज जागरण

चाहिए कि उन्होंने देश को बुलेट ट्रेन के एवरज में कम से कम नमो ट्रेन तो दी। वे यदि अपने दूसरे वालों की तह याद इस ट्रेन का न भी देते तो आप नमो का क्या बिगड़ लेते? कुछ वर्ष पहले जब मैं चीन की यात्रा पर गया था तब मैंने बहार की नमो' नमो' करना ही पड़ेगा। टिकिट खरीदते समय, टिकिट रद्द करते समय। घर वालों को भी बताते समय नमो-नमो करना जरूरी भी है और मजबूरी भी। जीते जी अमरत्व पाने की ये बीमारी कांग्रेस के नेताओं से होती हुई अब माननीय प्रधानमंत्री श्री नंदेंद्र मोदी तक आ पहुंची है। रेल मंत्री और रेल मंत्रालय ने नई तेज गति की रेल का नामकरण करते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी की बदना करने का अनुद्धु प्रयास किया है।

चाहिए कि उन्होंने देश को बुलेट

ट्रेन के एवरज में कम से कम नमो

ट्रेन तो दी। वे यदि अपने दूसरे

वालों की तह याद इस ट्रेन का न

भी देते तो आप नमो का क्या

बिगड़ लेते?

कुछ वर्ष पहले जब मैं चीन की

यात्रा पर गया था तब मैंने बहार

की नमो' नमो' करना ही पड़ेगा।

हमारे देश में भले ही रेलवे एक

कम से कम एक-दो बार तो '

नमो' नमो' करना ही पड़ेगा।

भारत की जनता को बधाई कि

उसे बुलेट ट्रेन के बरतों में जो

तेज रफ्तार रेल मिली है, उसमें

बैठने से पहले हर रेल यात्री को

कम से कम एक-दो बार तो '

नमो' नमो' करना ही पड़ेगा।

टिकिट खरीदते समय, टिकिट

रद्द करते समय। घर वालों को भी

बताते समय नमो-नमो करना जरूरी

है और मजबूरी भी। जीते जी अमरत्व

पाने की ये बीमारी कांग्रेस

के नेताओं से होती हुई

अब माननीय प्रधानमंत्री श्री नंदेंद्र

मोदी ने एक बड़ी बड़ी बड़ी

बड़ी बड़ी बड़ी बड़ी बड़

नई शिक्षा नीति के परिणेत्र में शिक्षा का बदलता परिवेश विषयक शैक्षिक दक्षता वृद्धि व्याख्यानमाला की चतुर्थ प्रस्तुति का आयोजन किया गया



संचालित समर्थ कमर सक्सेना लखनऊ। दुर्गा शिक्षा निकेतन महाविद्यालय, लखनऊ के तत्त्वावधान में नक्षत्र पाठ्यालय द्वारा नई शिक्षा नीति के परिणेत्र में शिक्षा का बदलता परिवेश विषयक शैक्षिक दक्षता वृद्धि व्याख्यानमाला की चतुर्थ प्रस्तुति का आयोजन किया गया। उक्त व्याख्यानमाला में वक्ता के रूप में डॉ खुशबू रावत (असिस्टेंट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ) प्रोफेसर, हिंदी तथा अधिकारी एवं रजस्टर माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय, लखनऊ पैट्रो) उपस्थित रहे।

काशी की देव दीपावली को दैशन करेंगे गोरखपुर के "हवन दीप"

देव दीपावली में होगी सीएम स्टिटी की रौशनी व खुशबू की भी भागीदारी

देशी गाय के गोबर से गोरखपुर में बन रहे हवन दीप



आसान होता है। इस समय गोरखपुर से सटे गुर्जर राजा की करीब 50 महिलाएं हवन दीपों को अपने हुनरमंडल हाथों से आकर देने में जुटी हैं।

प्रदूषण मुक्त होता है हवन दीप

हवन दीप पूरी तरह प्रदूषण मुक्त होता है। जलने के बाद राख को छोड़ इससे कोई अपशिष्ट बचता ही नहीं। इसे बनाने के लिए पहले देशी गाय का गोबर एकत्र कर उसमें अग्रवर्ती को सुधारित करने वाले इससे डाला कर प्रदैश के एसएसई प्रिवेट की ओर से संचालित यूटी डिजाइन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट की ओर से ऑर्डर पिला है।

देशी गाय के गोबर की खूबी

हवन दीप देशी गाय के गोबर से ही क्यों? इस सबाल पर इस पुरानी गाय की ओर से आज तक जानकारी नहीं दी जाती है। इसकी गाय की गोबर की तुलना में देशी की गोबर ताकि वह जननद परिवर्त गोरखपुर के "हवन दीपों" की भी होगी।

ये "हवन दीप" देशी गाय के गोबर से बन रहे हैं। इसके लिए सिद्धि विनायक वून ट्रेंड शोस-इटी की सीमीत पांडेय की प्रदेश के एसएसई प्रिवेट की ओर से संचालित यूटी डिजाइन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट की ओर से ऑर्डर पिला है।

देशी गाय के गोबर की खूबी

हवन दीप देशी गाय के गोबर से ही क्यों? इस

सबाल पर इस पुरानी गाय की ओर से आज तक जानकारी नहीं दी जाती है। इसकी गाय की गोबर ताकि वह जननद परिवर्त गोरखपुर के "हवन दीपों" की भी होगी।

मिशन शक्ति अभियान 4.0 के तहत माननीय द्वारा मन्त्री महिला कल्याण एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का हुआ आयोजन।

कार्यक्रम में महिला कल्याण एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का किया गया व्यापक प्रचार प्रसार।

समाज जागरण

डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में जनपद में उत्तर प्रदेश शासन की मंसा के अनुरूप मिशन शक्ति अभियान 4.0 वृहद स्तर पर संचालित किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में आज मिशन शक्ति अभियान 4.0 के अन्तर्गत दिनांक 21 अक्टूबर 2023 के अन्तर्गत इंजीनियरिंग कालेज ब्रेटर नोएडा में महिलायों द्वारा कल्याण एवं बाल विकास विभाग उत्तर प्रदेश शासन प्रतिभा शुक्ला की गैरवायी उपस्थिति में जागरूकता एवं विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के साथ शक्ति सबाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अंगनवाड़ी वर्कर्स, स्वंचालित सुरक्षा की जिला प्रबोधन अधिकारी अतुल कुमार सनी, जिला कार्यक्रम अधिकारी पूर्ण तिवारी व निदेशक असीम कादरी गलवानी इंजीनियरिंग कालेज द्वारा मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत

विभाग की योजनाओं और विभाग द्वारा की जारी कार्यवाही से अवगत कराया गया साथ ही विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर और लोकल आमदारों को उल्लङ्घन विधिक सहायता आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गयी। मुख्य अतिथि मारु राज्य मंत्री जी के द्वारा विभिन्न सकारारी योजनाओं का लाभ लेकर महिला सशक्तीकरण और व्यावसायिक सहायता की दिशा में अग्रे बढ़ने का आहावन किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की शक्ति अभियान सफल हो सके, और अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सके। राकेश चौहान जिला सूचना विभाग की अधिकारी एवं शक्ति अभियान के अन्तर्गत

विभिन्न कार्यक्रमों को पुरस्कार दिया गया। इसके लिए विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा विभिन्न विधिक सहायता की दिशा में अग्रे बढ़ने का आहावन किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की शक्ति अभियान सफल हो सके, और अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सके।

विभिन्न कार्यक्रमों को पुरस्कार दिया गया। इसके लिए विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा विभिन्न विधिक सहायता की दिशा में अग्रे बढ़ने का आहावन किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की शक्ति अभियान सफल हो सके, और अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सके।

विभिन्न कार्यक्रमों को पुरस्कार दिया गया। इसके लिए विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा विभिन्न विधिक सहायता की दिशा में अग्रे बढ़ने का आहावन किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की शक्ति अभियान सफल हो सके, और अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सके।

विभिन्न कार्यक्रमों को पुरस्कार दिया गया। इसके लिए विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा विभिन्न विधिक सहायता की दिशा में अग्रे बढ़ने का आहावन किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की शक्ति अभियान सफल हो सके, और अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सके।

विभिन्न कार्यक्रमों को पुरस्कार दिया गया। इसके लिए विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा विभिन्न विधिक सहायता की दिशा में अग्रे बढ़ने का आहावन किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की शक्ति अभियान सफल हो सके, और अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सके।

विभिन्न कार्यक्रमों को पुरस्कार दिया गया। इसके लिए विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा विभिन्न विधिक सहायता की दिशा में अग्रे बढ़ने का आहावन किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की शक्ति अभियान सफल हो सके, और अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सके।

विभिन्न कार्यक्रमों को पुरस्कार दिया गया। इसके लिए विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा विभिन्न विधिक सहायता की दिशा में अग्रे बढ़ने का आहावन किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की शक्ति अभियान सफल हो सके, और अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सके।

विभिन्न कार्यक्रमों को पुरस्कार दिया गया। इसके लिए विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा विभिन्न विधिक सहायता की दिशा में अग्रे बढ़ने का आहावन किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की शक्ति अभियान सफल हो सके, और अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सके।

विभिन्न कार्यक्रमों को पुरस्कार दिया गया। इसके लिए विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा विभिन्न विधिक सहायता की दिशा में अग्रे बढ़ने का आहावन किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की शक्ति अभियान सफल हो सके, और अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सके।

विभिन्न कार्यक्रमों को पुरस्कार दिया गया। इसके लिए विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा विभिन्न विधिक सहायता की दिशा में अग्रे बढ़ने का आहावन किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की शक्ति अभियान सफल हो सके, और अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सके।

विभिन्न कार्यक्रमों को पुरस्कार दिया गया। इसके लिए विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा विभिन्न विधिक सहायता की दिशा में अग्रे बढ़ने का आहावन किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की शक्ति अभियान सफल हो सके, और अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सके।

विभिन्न कार्यक्रमों को पुरस्कार दिया गया। इसके लिए विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा विभिन्न विधिक सहायता की दिशा में अग्रे बढ़ने का आहावन किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की शक्ति अभियान सफल हो सके, और अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सके।

विभिन्न कार्यक्रमों को पुरस्कार दिया गया। इसके लिए विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा विभिन्न विधिक सहायता की दिशा में अग्रे बढ़ने का आहावन किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की शक्ति अभियान सफल हो सके, और अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सके।

विभिन्न कार्यक्रमों को पुरस्कार दिया गया। इसके लिए विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा विभिन्न विधिक सहायता की दिशा में अग्रे बढ़ने का आहावन किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की शक्ति अभियान सफल हो सके, और अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सके।

विभिन्न कार्यक्रमों को पुरस्कार दिया गया। इसके लिए विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा विभिन्न विधिक सहायता की दिशा में अग्रे बढ़ने का आहावन किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश सरकार की शक्ति अभियान सफल हो सके, और अपनी पूर्णता को प्राप्त कर सके।

विभिन्न कार्यक्रमों को पुरस्कार दिया गया। इसके लिए विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा विभिन्न विधिक सहायता की दिशा

